GOVT. D.B. GIRLS' P.G. AUTONOMUS COLLEGE

RAIPUR CHHATTISGARH

DEPARTMENT OF VOCAL MUSIC

SYLLABUS

OF

VOCAL MUSIC

2020-21

B A (PART –III)

SIGNATURE OF CHAIRMAN **SIGNATURE OF MEMBER (SUBJECT)**

VOCAL MUSIC PART – I

THEORY PART-A

NO	Title	Max Marks	Min Marks	Total
Paper-I	Theory of INDIAN MUSIC	50	17	50
Paper-II	Theory of INDIAN MUSIC	50	17	50

PART –B

NO	Name of Practical	Max Marks	Min Marks	Total
Practical	VOCAL MUSIC PRACTICAL	50	17	50

SIGNATURE OF CHAIRMAN SIGNATURE OF MEMBER (SUBJECT)

शासकीय दू0 ब0 महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़

संशोधित पाठ्यक्रम (आनुपातिक रूप से कम करके)

सत्र : 2020–21 हेतु

पाठ्यक्रम

संगीतशास्त्र

बी.ए. – अंतिम वर्ष
प्रथम प्रश्न पत्र

पूर्णांक – 50

(1) पारिभाषिक शब्द :–
निम्नलिखित शब्दों की परिभाषाएँ तथा स्पष्टीकरण :–
ग्राम, मूर्च्छना, षड्ज–पंचम भाव, षड्जांतर भाव, चतुः सारणा, प्रमाण श्रुति।

(2) हार्मनी और मेलोडी :–
व्याख्या, विशेषतायें और तुलना।

(3) स्वर–स्थान निदर्शन की विधियाँ :–
(अ) अहोबल, पं. श्रीनिवास तथा पं. विष्णु नारायण भातखंडे द्वारा प्रणीत वीणा दण्ड पर शुद्ध–विकृत स्वरों की स्थापना।

(4) स्वर सप्तक के विकास का परिचयत्मक अध्ययनः–
(अ) षड्ज–पंचम भाव से सप्तक की रचना।
(ब) षड्ज–मध्यम भाव से सप्तक की रचना।
(स) डायटोनिक स्केल।
(द) क्रोमेटिक स्केल।
(क) टेम्पर्ड स्केल।

(5) घराना :–
(अ) परिभाषा, 'घराना' के विधायक तत्व, ख्याल गायकी के ग्वालियर, आगरा, किराना घरानों का संक्षिप्त परिचय।
(ब) षड्ज–ग्राम, मध्यम–ग्राम, गांधार ग्राम तथा उनके स्वर।

(6) प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों में दिये तालों का दुगुन एवं चौगुन लयकारी में लेखन

शासकीय दू0 ब0 महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़

संशोधित पाठ्यक्रम (आनुपातिक रूप से कम करके)

सत्र : 2020–21 हेतु

पाठ्यक्रम

संगीतशास्त्र

बी.ए. – अंतिम वर्ष

द्वितीय प्रश्न पत्र

पूर्णांक – 50

(1) पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का तुलनात्मक अध्ययन एवं विवरण लेखन।

(2) पाठ्यक्रम में निर्धारित बंदिशों को स्वरलिपि में लिखना।

(3) संक्षिप्त जीवनी एवं सांगीतिक कार्यः–
हहू–हास्सू खाँ, पं. ओकारनाथ ठाकुर, मतंग, रामामात्य।

(4) भारतीय संगीत का इतिहास –
मध्यकाल तथा आधुनिक काल के संगीत की स्थिति, शैलियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रभाव ग्रंथकार और कलाकार (संक्षिप्त ऐतिहासिक अध्ययन)

(5) शास्त्रीय संगीत एवं लोक संगीत :– शास्त्रीय संगीत एवं लोक संगीत का तुलनात्मक अध्ययन। छत्तीसगढ़ के लोक गीतों का सामान्य परिचयात्मक अध्ययन।

(6) कंठ–स्वर संस्कार – परिभाषा, महत्व एवं आवश्यकता। कंठ की बनावट और स्वरोत्पत्ति। गायक के लिये स्वर साधना की सामान्य वैज्ञानिक पद्धति ।

शासकीय दू0 ब0 महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़

संशोधित पाठ्यक्रम (आनुपातिक रूप से कम करके)

सत्र : 2020–21 हेतु

पाठ्यक्रम

संगीत प्रायोगिक

बी.ए. – अंतिम वर्ष

पूर्णांक – 50

(1) निम्नलिखित रागों का विस्तृत अध्ययनः–
रामकली, जयजयवंती, बसंत, बहार, कलावती।

(2) उपर्युक्त रागों में से किन्ही एक रागों में विलंबित ख्याल आलाप–तानों सहित।

(3) उपर्युक्त सभी रागों में सरगम, लक्षण गीत तथा मध्यलय ख्याल (तीनों सहित)।

(4) किन्हीं एक राग में ध्रूवपद या धमार दुगुन एवं चौगुन सहित।

(5) किन्हीं दो रागों में तराने एवं भजन।

(6) प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों में दिये गये तालों का हाथ से प्रदर्शन तथा मत्त लाल, पंजाबी का अध्ययन।

APPORVED BY THE BOARD OF STUDIES ON

NAME	SIGNATURE